जोधपुर में एमडी ड्रग बनाने के कारोबार का पर्दाफाश, पांच लोग गिरफ्तार

4 ड्रमों में 110 लीटर केमिकल, 28 ग्राम अफीम दूध, कार व अन्य सामग्री बरामद

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पश्चिम पुलिस ने झालामंड स्थित रामदेव नगर में नशे के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उक्त जगह से 4 ड्रमों में 110 लीटर केमिकल, 28 ग्राम अफीम दूध व अन्य सामग्री बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। कितने समय से गोरखधंधा चल रहा था, पुलिस अब इसमें पड़ताल में जुटी है। केमिकल कब और कहां से लाया गया इसके बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

पुलिस आयुक्त शरत कविराज व पुलिस उपायुक्त पश्चिम कमल शेखावत के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त वृत्त बोरानाडा आनंदसिंह राजपुरोहित के निकट सुपरविजन में पुलिस थाना कुड़ी थाना प्रभारी सहदेव मय टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। कुड़ी भगतासनी क्षेत्र में गुरूवार को एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया गया था। तब पुलिस ने हरिगढ़ रिसोर्ट रोड़ स्थित रामदेव विहार सरहद झालामण्ड में कम आबादी क्षेत्र में एक मकान के बाहर खड़े संदिग्ध वाहनों की तलाशी के लिए पहुंच कर एक घर की तलाशी ली। घर के अंदर ओमप्रकाष पुत्र हरीराम विश्नोई निवासी गांव मोखातरा पुलिस थाना करड़ा जिला

- आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया

जालोर, अनिल पुत्र भभुताराम जाति विश्नोई निवासी गांव मोखातरा पुलिस थाना करड़ा जिला जालोर, कुलदीप पुत्र बाबुलाल विश्नोई निवासी गांव पूनासा पुलिस थाना भीनमाल जिला जालोर , रामनिवास पुत्र पूनमाराम विश्नोई निवासी गांव फागलिया पुलिस थाना बागासर जिला बाड़मेर एवं संदीप कुमार पुत्र गणपतलाल विश्नोई निवासी गांव कोटड़ा पुलिस थाना करड़ा जिला जालोर मिले। इनकी एवं वाहनों की तलाशी ली गयी तो एक फॉर्च्यूनर गाड़ी व एक बिना नंबरी कार की एवं जांच के दौरान फोर्च्यूनर गाड़ी के पीछे डिक्की में एक कागज के गते में लोहे का ड्रम भरा हुआ जिस पर एक्टोन 25 लीटर, दूसरा ड्रम प्लास्टिक की पन्नी में ड्रम पर टूलुने सल्फर फ्री 25 लीटर, तीसरा ड्रम प्लास्टिक के कट्टे में पैक, जिसके नीचे ब्रमो-2 लिखा हुआ है। चौथे ड्रम जो प्लास्टिक पन्नी में पर टूलुने सल्फर फ्री 25 लीटर लिपटा हुआ शीलबंद ढक्कन जिसमें तरल पदार्थ टूलुने सल्फर फ्री 25 लीटर लिखा मिला। गाड़ी की सीट पर रखा कार्टन को खोलकर देखा तो उसके अंदर दो काले रंग के प्लास्टिक के जरीकन तरल पदार्थ से भरे हुए शीलबंद ढक्कन प्रत्येक जरीकन पर हाइड्रोक्लोरिक एसिड लीटर कुछ नंबर लिखे मिले। इस पर सभी को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार वहां से फॉरचुनर कार के साथ एक कीया कार, 28 ग्राम अफीम का दूध, 16 टर्माडोल टेबलेट दो फर्जी नंबर प्लेट के साथ एक प्लास्टिक की सफेद पाइप, एक हैण्डलनुमा नोजल हैंडपंप और लोहे का कीमा मिला। पुलिस टीम में डीएसटी प्रभारी एसआई महेंद्र कुमार, कुड़ी थाने के एएसआई तनसुख, भंवरलाल, साइबर सैल के हैडकांस्टेबल प्रेम चौधरी, कांस्टेबल अशोक, धीरज एवं अमराराम आदि शामिल रहे।

भारत-पाक सीमा पर ड्रोन और एंटी ड्रोन यूनिट्स सक्रिय

स्पेशल ऑपरेशन में ये ड्रोन टुकड़ी आसमान से भैरव बटालियन के साथ शामिल होगी

जैसलमेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था लगातार मजबूत की जा रही है। हाल की रिपोर्टों के मुताबिक सीमा पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती के साथ-साथ ड्रोन और एंटी ड्रोन यूनिट्स को भी सक्रिय किया गया है, ताकि घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत नजर रखी जा सके।

सीमा सुरक्षा बल ने पश्चिमी सीमा क्षेत्रों में विशेष ड्रोन स्क्वाड्रन और हाईटेक निगरानी सिस्टम लगाने की तैयारी तेज की है। रिपोर्टों के अनुसार ये टीमें निगरानी, रियल टाइम ट्रैकिंग और संदिग्ध ड्रोन को निष्क्रिय करने जैसे काम करेंगी। सीमा पर पहले भी पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, खासकर राजस्थान

- घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी

के जैसलमेर, गंगानगर,बाड़मेर, बीकानेर सेक्टर में हो रही है इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने एंटी ड्रोन सिस्टम, थर्मल इमेजर और रडार निगरानी को और मजबूत किया है। राजस्थान से सटी भारत-पाकिस्तान सीमा की सुरक्षा का चक्रव्यूह अब पूरी तरह बदल गया है। सरहद पर अब भैरव बटालियन के साथ अशनी ड्रोन प्लाटून को तैनात किया गया है। यह नई जुगलबंदी न सिर्फ जासूसी करेगी, बल्कि जरूरत पड़ने पर दुश्मन के ठिकानों को तबाह भी कर देगी। भारतीय सेना का लक्ष्य 2027 तक देश की सभी 350 से ज्यादा इन्फैंट्री बटालियनों को इसी तरह हाई-टेक ड्रोन वॉरियर बनाने का है। बटालियन के साथ तैनात ये वेपन ड्रोन 24 घंटे बॉर्डर की निगरानी करेंगे। खास बात यह है कि स्पेशल ऑपरेशन में ये ड्रोन टुकड़ी आसमान से भैरव बटालियन के साथ शामिल होगी। इन ड्रोन्स को सैनिकों की विशेष टुकड़ी ऑपरेट करेगी। हर टुकड़ी में 25 ट्रेंड जवान हैं, जो अंधेरे और हर तरह के मौसम में भैरव फोर्स को ये ड्रोन प्लाटून प्रोटेक्ट करेंगे। अब दुश्मन को टारगेट कर खत्म करना आसान होगा, और पैदल सेना के लिए खतरा कम होगा।

उदयपुर में महिला पर हमला करने वाला लैपर्ड पिंजरे में कैद हुआ

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के उपली बड़ी क्षेत्र में लगाए गए पिंजरे में आखिरकार लैपर्ड कैद हो गया। लैपर्ड को रेस्क्यू कर सज्जनगढ़ अभयारण्य शिफ्ट किया गया।

जानकारी के अनुसार लैपर्ड के कारण पिछले 5 दिनों से ग्रामीणों में भय व्याप्त था। लैपर्ड ने 5 दिन पहले गमेती बस्ती निवासी भूरी बाई (52) पत्नी बंशीलाल गमेती रात को अपने कच्चे घर से बाहर आंगन की ओर निकली थी। इस दौरान अंधेरे में घात लगाए बैठे लैपर्ड ने उन पर झपट्टा मार दिया। लैपर्ड ने महिला के चेहरे और गर्दन पर हमला

- वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर लैपर्ड को सज्जनगढ़ अभयारण्य भेजा

करते हुए अपने दांत गड़ा दिए। अचानक हुए हमले के बावजूद महिला ने हिम्मत दिखाते हुए चिल्लाना शुरू कर दिया। उनकी आवाज सुनकर लैपर्ड घबरा गया और पास के जंगल की ओर भाग गया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया लेकिन मौत हो गई थी। घटना के बाद से ही बड़ी और आसपास के इलाकों में दहशत थी। ग्रामीण वन विभाग की सुस्त कार्य प्रणाली से नाराज थे। लोगों का कहना था कि विभाग किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। ग्रामीणों के भारी दबाव और विरोध के बाद वन विभाग की टीम ने इलाके में पिंजरा लगाया। हालांकि अब भी दहशत कम नहीं हुई है, लेकिन विभाग के अधिकारियों ने अब भी लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें। खासकर जंगल से सटे आबादी वाले इलाकों में रात के समय अकेले बाहर न निकलें और सावधानी बरतें।

डॉक्टर के कमरे में चोरी

जोधपुर, (कासं)। मथुरादास माथुर अस्पताल परिसर स्थित फैमिली पीजी हॉस्टल में रेजीडेंट डॉक्टर के कमरे में चोरी हो गई। अज्ञात शख्स कमरे से सोने का ब्रेसलेट और कॉइन चोरी कर ले गया। शास्त्री नगर पुलिस ने बताया कि डॉ. रवि कुमार मैनावत एमडीएम अस्पताल के ऑर्थो वार्ड में तृतीय वर्ष के रेजीडेंट डॉक्टर है। 10 अप्रैल को सुबह करीब 8 बजे ड्यूटी पर अस्पताल गए थे। रात करीब 10 बजे जब वापस हॉस्टल स्थित अपने कमरे में पहुंचे तो कमरे का दरवाजा खुला मिला और सामान बिखरा पड़ा था। किसी चोर ने 15.689 ग्राम वजनी सोने का ब्रेसलेट, 0.5 ग्राम का सोने का सिक्का और 2500 रुपए नकद गायब मिले।

अजमेर : मोबाइल नहीं मिलने पर 13 वर्षीय छात्र ने आत्महत्या की

अजमेर, (निसं)। बच्चों में बढ़ती मोबाइल की लत अब गंभीर और चिंताजनक रूप लेने लगी है। अजमेर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां मोबाइल नहीं मिलने से नाराज 13 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

- घटना के समय घर में बालक की दादी, बड़ा भाई और अन्य सदस्य मौजूद थे, जबकि माता-पिता नौकरी पर गए हुए थे
- बड़े भाई ने मोबाइल देने से मना कर दिया तो नाराज छोटा भाई कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर बेल्ट के फंदे से फांसी लगा ली

आदर्श नगर थाना प्रभारी छोटूलाल ने बताया कि मृतक बालक कक्षा आठवीं का छात्र था। उसका बड़ा भाई, जिसने हाल ही में दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की थी, छुट्टियों में घर आया हुआ था। उसके पास स्मार्टफोन था, जिस पर छोटा भाई वीडियो देख रहा था। इसी दौरान बड़े भाई के मित्र का फोन आने पर वह अपना मोबाइल लेकर जाने लगा। छोटे भाई ने मोबाइल वापस मांगा, लेकिन बड़े भाई ने मना कर दिया। मोबाइल नहीं मिलने से नाराज बालक अपने कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। करीब 20 मिनट बाद जब बड़ा भाई उसे देखने पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। संदेह होने पर उसने नीचे से झांककर देखा तो बालक बेल्ट के फंदे से लटका हुआ था। यह दृश्य देखकर परिवार के लोगों के होश उड़ गए। घटना के समय घर में बालक की दादी, बड़ा भाई और अन्य सदस्य मौजूद थे, जबकि माता-पिता नौकरी पर गए हुए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की। शनिवार को मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस ने परिवार के सदस्यों से अलग-अलग पूछताछ की है और मामले की गहन जांच की जा रही है। घटना ने समाज को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि डिजिटल उपकरणों की बढ़ती निर्भरता बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर कितना गहरा असर डाल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अभिभावकों को बच्चों के व्यवहार, भावनात्मक स्थिति और मोबाइल उपयोग पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

भिवाड़ी में केमिकल फैक्टरी के श्रमिकों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी के यूआईटी फेस थर्ड औद्योगिक क्षेत्र स्थित अजंता केमिकल्स फैक्टरी में शनिवार को लगभग 200 श्रमिकों ने धरना प्रदर्शन किया। श्रमिकों ने वेतन वृद्धि, शुद्ध पेयजल और अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर कंपनी गेट पर नारेबाजी की और मैनेजमेंट को एक लिखित ज्ञापन सौंपा।

श्रमिकों का कहना है कि उन्हें 8 घंटे की ड्यूटी के लिए 11,000 रुपए वेतन दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई में परिवार के गुजारे के लिए अपर्याप्त है। उन्होंने न्यूनतम 17,000 से 20,000

- वेतन और सुविधाएं बढ़ाने की मांग की, कंपनी ने पांच दिन का समय मांगा

रुपए मासिक वेतन, ओवरटाइम पर दोगुनी दर और काम के बाद नहाने की उचित व्यवस्था की मांग की है। श्रमिक ने बताया कि वह 8 साल से कंपनी में कार्यरत हैं, लेकिन 11,000 रुपए में परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो रहा है। उन्होंने गैस, कमरे के किराए और बच्चों की फीस का हवाला देते हुए 20,000 रुपए तक वेतन की मांग की। महिला कर्मचारी ज्योति ने भी बच्चों की पढ़ाई और घर खर्च चलाने में आ रही कठिनाइयों का जिक्र करते हुए कम से कम 17-18 हजार रुपए वेतन की आवश्यकता बताई। श्रमिकों ने भोजन भत्ता न मिलने की शिकायत की और बताया कि कंपनी 11 घंटे की ड्यूटी के लिए भी केवल 15,419 रुपए दे रही है। श्रमिक रूप राज ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी वेतन वृद्धि और अन्य मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक कोई भी कार्यकर्ता काम पर नहीं जाएगा।

कंपनी के प्लांट हेड संजीव कुमार ने इस संबंध में बताया कि कंपनी न्यूनतम मजदूरी से अधिक वेतन दे रही है। उन्होंने कहा कि पीने के शुद्ध पानी, नहाने की व्यवस्था, ओवरटाइम और सुरक्षा से संबंधित लगभग सभी मांगों को स्वीकार कर लिया गया है। वेतन वृद्धि के मामले पर संजीव कुमार ने कहा कि बढ़ोतरी सरकार के निर्देशानुसार ही की जाएगी और हर वर्ष नियमित रूप से वेतन में वृद्धि की जाती है। उन्होंने श्रमिकों से 5 दिन का समय मांगा है।

सड़क दुर्घटना के मामले में अभियुक्त दोषमुक्त

भीलवाड़ा, (निसं)। न्यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-2, भीलवाड़ा ने वर्ष 2014 के एक सड़क दुर्घटना मामले में अभियुक्त सोनू स्वर्णकार को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त करने का आदेश जारी किया है। इस मामले में अभियुक्त की ओर से एडवोकेट मुकेश सुवालका ने पैरवी की।

प्रकरण के अनुसार, 30 मार्च 2014 को पुलिस लाइन भीलवाड़ा में ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल कस्तूरमल मीणा के साथ एक मोटरसाइकिल द्वारा

- न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों और एडवोकेट की दलीलों से सहमत होते हुए माना कि अभियुक्त के विरुद्ध अपराध संदेह से परे प्रमाणित नहीं होता है

दुर्घटना हुई थी, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आई थीं।

पुलिस ने अनुसंधान के बाद सोनू स्वर्णकार के विरुद्ध कई धाराओं के तहत न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया था। सुनवाई के दौरान अभियुक्त के अधिवक्ता मुकेश सुवालका ने न्यायालय के समक्ष तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है कि दुर्घटना के समय वाहन अभियुक्त सोनू स्वर्णकार ही चला रहा था। उन्होंने जिरह के दौरान गवाहों के बयानों में विरोधाभास उजागर करते हुए बताया कि चश्मदीद गवाहों ने भी अभियुक्त को मौके पर वाहन चलाते हुए नहीं देखा था। न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों और एडवोकेट मुकेश सुवालका की दलीलों से सहमत होते हुए माना कि अभियुक्त के विरुद्ध अपराध संदेह से परे प्रमाणित नहीं होता है। इसी आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त सोनू स्वर्णकार को सभी आरोपों से दोषमुक्त घोषित कर दिया है।

पावटा में ट्रेलर की चपेट में आने से महिला की मौत

पावटा, (निसं)। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर भाबरू पुलिया के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई तथा हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान भाबरू निवासी फूली देवी पत्नी कल्याण गुर्जर निवासी ढाणी मुक्ताला तन भाबरु के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला हाईवे पार कर रही थी। इसी दौरान दिल्ली की तरफ से तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही भाबरू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जहां पोस्टमार्टम के बाद मृतका का शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया, जबकि पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है। घटना के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद यातायात को सुचारू करवाया। हादसे से गांव में शोक की लहर छा गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

डोडा-पोस्त जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

नाल, (निसं)। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन नीलकंठ' के तहत बड़ी कार्रवाई की है। नाल थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2.656 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया है।

यह कार्रवाई आईजी ओमप्रकाश और एसपी मृदुल कच्छावा के निर्देशन में की गई। एएसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ और सीओ गंगाशहर हिमांशु शर्मा के सुपरविजन में थाना नाल प्रभारी विकास बिश्नोई की टीम ने इसे अंजाम दिया। पुलिस टीम गश्त कर रही थी, तभी संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर तीन युवकों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास से अवैध डोडा-पोस्त मिला, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंजाब के बठिंडा जिले के निवासी हरजिन्द्र सिंह, गुरविन्द्र सिंह और कृष्ण सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी हरजिन्द्र सिंह के खिलाफ पंजाब में पहले से ही दर्जनभर मामले दर्ज हैं।

जमीन से धन निकालने का झांसा देकर 15 लाख की ठगी

जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने ने 24 घंटे में कथित तांत्रिक को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने जमीन में गड़ा धन निकालने का झांसा देकर करीब 15 लाख रुपए की ठगी करने वाले एक तांत्रिक को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है। खेड़ापा पुलिस थाना में दर्ज मामले में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी बोरुंदा निवासी उम्मेद जोशी उर्फ दीपक जोशी है। वर्तमान में वह जोधपुर के महामंदिर थाना क्षेत्र स्थित शक्ति नगर में किराए पर रहता है।

पुलिस के अनुसार 6 मई को बावड़ी निवासी भगवानराम ने खेड़ापा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रार्थी ने बताया कि करीब दो महीने पहले उसे मां दित्या ज्योतिष का एक पेंपलेट मिला था, जिसमें घर और व्यापार संबंधी समस्याओं के समाधान का दावा किया गया था। भगवानराम अपने एक साथी

- गिरफ्तार आरोपी बोरुंदा निवासी उम्मेद जोशी उर्फ दीपक जोशी है, वर्तमान में वह जोधपुर के महामंदिर थाना क्षेत्र स्थित शक्ति नगर में किराए पर रहता है

के साथ जोधपुर स्थित बाबा के कार्यालय गया, जहां कथित तांत्रिक ने उसकी कुंडली देखकर बताया कि उसके घर में काफी सोना गड़ा है, जिसे वह निकाल सकता है। इसके बदले में तांत्रिक ने 15 लाख रुपये की मांग की। प्रार्थी ने बाबा के खाते में और नकद मिलाकर कुल 14,52,320 रुपए दिए। गत नौ अप्रैल को कथित तांत्रिक भगवानराम के घर आया। उसने एक गड्ढा खोदकर प्रार्थी, उसके परिजनों और साथियों को नजरबंद कर दिया। इसके बाद तांबे जैसी धातु का एक कलश दिखाकर उसे सोना बताया और घर में रखवा दिया। साथ ही, एक कृत्रिम सांप दिखाकर प्रार्थी को मृत्यु का भय दिखाकर पैसे हड़प लिए।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पीडी नित्या ने बताया कि आरोपी की तलाश करने हेतु एक विशेष टीम का गठन किया गया था। आरोपी के पास कई आधार कार्ड भिन्न-भिन्न स्थानों के पाए गए। जिससे ज्ञात हुआ कि आरोपी ने अपनी सही पहचान भी किसी को ज्ञात नहीं होने दी। तांत्रिक के खिलाफ ऐसा ही एक प्रकरण पुलिस थाना अम्बामाता जिला उदयपुर में भी दर्ज है।

भीलवाड़ा के जोजवा गांव में लुटेरी दुल्हन जेवर-नकदी लेकर फरार

पीड़ित ने दलाल सहित ससुराल पक्ष पर साजिश का आरोप लगाया

माण्डलगढ़/भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के बीगोद थाना क्षेत्र के जोजवा गांव में लुटेरी दुल्हन गिरोह का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि एक दलाल ने एक लाख रुपये लेकर युवक की शादी कराई, लेकिन शादी के महज तीन दिन बाद ही दुल्हन घर से सोने-चांदी के जेवर और करीब 3 लाख रुपये की नकदी लेकर फरार हो गई। इस मामले को लेकर 2 बार बीगोद थाने में शिकायत की, लेकिन मामला ही दर्ज नहीं किया गया। अब परेशान होकर पीड़ित ने कोर्ट के इस्तगासे के जरिए थाने में 7 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

जोजवा निवासी पीड़ित अम्बानी जाट ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि यह पूरी वारदात सुनियोजित साजिश का हिस्सा है, जिसमें दलाल के साथ-साथ दुल्हन के कथित परिजन और ससुराल पक्ष के कुछ लोग भी शामिल हैं। आरोप है कि शादी के नाम पर पहले युवक अम्बानी और उसके परिवार को भरोसे में लिया गया, फिर मौका मिलते ही दुल्हन घर में रखे कीमती जेवर और नकदी समेटकर फरार हो गई। पीड़ित युवक ने बताया कि आरोपी दलाल माण्डलगढ़ थाना क्षेत्र के गणेशपुरा निवासी कालूलाल धाकड़ ने एक लाख की दलाली राशि लेकर मानपुरा निवासी खुशी जाट के साथ शादी का रिश्ता तय कराया। 27 फरवरी 2025 को आयोजित हुई शादी के दौरान पीड़ित ने 3 तोला सोने के जेवर, करीब 1 किलो चांदी के जेवर, 3 लाख की नकदी और शादी में ससुराल पक्ष के प्रतिभोज के लिए 1 लाख 60 हजार की खाद्य सामग्री दी गई। शादी सम्पन्न होने के बाद दुल्हन खुशी जाट तीन दिन तक ससुराल में रही और परिवार का विश्वास जीतने के बाद वारदात को अंजाम दिया। जब परिजनों को नकदी और जेवर गायब मिले तो दुल्हन भी घर से लापता मिली। इसके बाद दलाल और दुल्हन पक्ष से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन सभी के फोन बंद मिले। पीड़ित युवक जब अपने ससुराल मानपुरा नई नवेली दुल्हन को ढूंढने गया तो किसी अन्य लड़के के साथ भाग जाने की बात सामने आई। उधर दुल्हन के पिता ने 6 मार्च 2026 बेटी की गुमशुदगी माण्डलगढ़ थाने में दर्ज कराई।

इस मामले को लेकर पीड़ित युवक ने बताया कि गत 19 जनवरी को आवा रामपुरा निवासी मोनू जाट और अन्य 3-4 जनों ने त्रिवेणी चौराहे पर उसे रोककर धमकी दी कि खुशी जाट को तलाक दे देना नहीं तो जान से मार देंगे। उधर पीड़ित युवक के ससुराल वालों ने भी धमकी दी कि शादी में दिए गए सोने चाँदी के जेवर, नकदी को हड़प लिया गया है और पुलिस में शिकायत की तो अंजाम बुरा होगा। इस मामले में पीड़ित युवक ने भीलवाड़ा एसपी ओर बीगोद थाने में 7 अप्रैल 2026 को आरोपियों के विरुद्ध शिकायत पेश की। लेकिन आरोप है कि पुलिस ने रिपोर्ट को दर्ज ही नहीं किया। इससे परिवार में भारी रोष एवं आक्रोश पनप गया है। पीड़ित युवक को ससुराल वालों से मिल रही लगातार धमकियों ओर दलाल की दबंगई से परेशान होकर पीड़ित ने माण्डलगढ़ न्यायालय में एडवोकेट निहाल सेन के जरिए परिवाद दर्ज कराया। तब जाकर न्यायालय के आदेश पर 5 मई को बीगोद थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया हैं। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दलाल, दुल्हन और पूरे गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बीगोद थाना प्रभारी जय सुल्तान ने बताया कि जोजवा निवासी अम्बानी जाट का परिवाद कोर्ट से मिलने पर आरोपी मानपुरा निवासी खुशी जाट (दुल्हन) इसकी माता हीरा देवी जाट, रायसिंह पुरा निवासी मुकेश जाट, टोंक जिले के रामपुरा के मोनू जाट और मानपुरा के धर्मराज के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर अनुसन्धान किया जा रहा हैं। क्षेत्र में इस घटना के बाद शादी के नाम पर सक्रिय ठगी गिरोहों को लेकर लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे गिरोहों पर लगाम लगाने की मांग की है।

आठ किलो डोडा-पोस्त के साथ तस्कर को पकड़ा

बज्जू, (निसं)। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के फरार आरोपी को 8 किलो 150 ग्राम डोडा-पोस्त के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी विकास चक 3 बीजेएम बज्जू को उसके खेत-ढाणी

- पकड़ा गया तस्कर टॉप-टेन अपराधियों में शुमार है

से पकड़ा गया। वह मादक पदार्थ तस्करी के टॉप-टेन अपराधियों में शुमार है।

थानाधिकारी जगदीश पांडर ने बताया कि कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम और नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन नीलकण्ठ' के तहत की गई। इसके साथ ही संगीन और गंभीर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे तीन दिवसीय राज्य स्तरीय विशेष अभियान का भी हिस्सा थी। आरोपी विकास के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच रणजीतपुरा थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह राठौड़ कर रहे हैं। विकास पहले भी 15 किलो 220 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त तस्करी के एक अन्य मामले में फरार चल रहा था।

टोंक में स्मैक के साथ आरोपी गिफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम व नासिरदा पुलिस टीम ने क्षेत्र में नशा तस्करी करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से स्मैक और भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई।

पुलिस जानकारी के अनुसार टीम द्वारा क्षेत्र में गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के चलते नासिरदा के हिसामपुर रोड स्थित एक छात्रावास के पास एक संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ के बाद तलाशी लेने पर आरोपी विक्रम पुत्र बहादुर सांसी निवासी सांसी बस्ती नासिरदा के पास से 10.17 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई। बरामद स्मैक की बाजार कीमत करीब 2 लाख रुपये आंकी गई है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 1 लाख 20 हजार रुपये नकद भी बरामद किए गए है।

पुलिस का मानना है कि यह राशि मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त से संबंधित हो सकती है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ थाना नासिरदा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। पुलिस ने बताया कि पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी स्मैक कहां से लाता था और किन लोगों तक इसकी सप्लाई की जाती थी। साथ ही इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

सड़क हादसे में चालक घायल

पावटा, (निसं)। नेशनल हाईवे 48 पर बागावास पुलिया के पास शुक्रवार देर रात एक कैंटर सड़क किनारे खराब खड़े मार्बल से भरे ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में कैंटर चालक अशोक कुमार घायल हो गया, जिसे आसपास मौजूद लोगों ने बाहर निकालकर उपचार के लिए उपजिला अस्पताल पहुंचाया पहुंचाया। जहां उसकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल कोटपुतली रेफर कर दिया गया।

ट्रेलर तकनीकी खराबी के चलते पुलिया के पास खड़ा था। इसी दौरान चालक को नींद की झपकी आने के कारण तेज रफ्तार कैंटर पीछे से ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कैंटर का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि हाईवे पर खराब वाहन खड़े होने से लगातार हादसों का खतरा बना रहता है।